किसान महथा आदर्श महाविद्यालय, बहेड़ी, दरभंगा
(L.N.M.U)

मैथिली प्रतिष्ठा
स्नातक तृतीय खण्ड
पंचम पत्र - मैथिली साहित्यक इतिहास
आधुनिक काल मात्र

नरेश कुमार
सहायक प्राचार्य
मैथिली विभाग
दिनांक 08/09/2020

व्याख्यानक संक्षिप्त अंश (दोसर भाग)

प्रश्न : मैथिलीक आलोचना साहित्यक परिचय दिअ।

उत्तर - ---- डॉ दिनेश कुमार झा विशुद्ध आलोचनाक दृष्टिकोण सँ मैथिली साहित्यक आलोचक लोकनिकेँ निम्नलिखित प्रणालीक उपयोग करैत देखैत छथि -

1. व्यक्तिवादी प्रणाली, 2. वस्तुवादी प्रणाली (3) ऐतिहासिक प्रणाली, (4) शास्त्रीय प्रणाली 5. तुलनात्मक प्रणाली (6) निर्णयात्मक प्रणाली।

व्यक्तिवादी प्रणाली

1. व्यक्तिवादी प्रणालीमे कोनो कवि वा साहित्यकारक व्यक्तित्व विवेचना पहिनेका देल जाइत अछि तखन हुनक रचनाक परीक्षण एवं मूल्यांकन करल जाइत अछि। एहि दृष्टिसँ विद्यापति, गोविन्द दास, उमापति, हर्षनाथ, लोचन चन्दा झा, कविशेखर बदरीनाथ झा लाल दास, सीताराम झा यात्री जी, सुमनजी, प्रो. हरिमोहन झा आदि कवि, नाटककार एवं लेखक दिस आलोचक लोकनिक सर्वाधिक ध्यान गेल।

महाकवि विद्यापतिक काव्य पर जतेक आलोचना प्रकाशित भेल अछि ओतेक ध्यान मैथिलीक दोसर कवि पर नहि। विद्यापति पर अनेक शोध - प्रबन्ध, आलोचनात्मक ग्रन्थ एवं

स्फुट आलोचनात्मक निबन्ध प्रकाशित अछि। एहि प्रसंगमे स्व० शिवनन्दन ठाकुर, नरेन्द्रनाथ दास, डॉ उमेश मिश्र, डॉ० डॉ० इन्द्रकान्त झा डॉ० अरविन्द नाथ सिन्हाक योगदान उल्लेखनीय अछि। किछु वर्ष सँ विभिन्न संस्था द्वारा विद्यापति पर्व मनाओल जाइत अछि तथा विद्यापति साहित्यक समीक्षा होइत अछि। एहि प्रसंगमे डॉ० मुनीश्वर झा द्वारा सम्पादित 'विद्यापति वाङ्मय', पं० दीनानाथ झा द्वारा सम्पादित 'विद्यापति पुनर्मूल्यांकन चेतना समिति पत्रा द्वारा प्रकाशित स्मारिका (1971) सेहो विशेष महत्त्व रखैत अछि।

एकर अतिरिक्त प्रो० राधाकृष्ण चौधरी, डॉ० हरिमोहन मिश्र, डॉ० वासुकी नाथ झा प्रभृति विद्वान समय-समय विद्यापतिक साहित्यक अनुशीलन कयलनि।

गोविन्द दासक व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर डॉ जयधारी सिंह 'गोविन्द काव्यलोक', डॉ० कदरी नारायण झा 'मैथिल कवि गोविन्द दास' नामक आलोचनात्मक ग्रन्थक रचना कयलनि।

उमापति पर डॉ० ग्रियर्सन, प्रो रमानाथ झा एवं डॉ० जयधारी सिंह मौलिक विचार प्रस्तुत कएल। चन्दा झा पर डॉ० अमरनाथ, डॉ० विश्वेश्वर मिश्र डॉ० ललितेश्वर झा, प्रो० रमानाथ झा ज्यो० बलदेव मिश्र नीक आलोचना कयलनि।

कविशेखर कदरीनाथ झाक महाकाव्य 'एकावली परिणय' पर डॉ० दिनेश कुमार झा, महाकवि लालदास पर प्रो० राधाकृष्ण चौधरी, सुरेन्द्र झा 'सुमन' व्यक्तित्व कृतित्व पर डॉ० अनमोल मिश्र, मधुपजी व्यक्तित्व कृतित्व पर डॉ० भीमनाथ झा, सीताराम झाक व्यक्तित्व कृतित्व पर डॉ सूर्यनारायण चौधरी, सामाजिक वातावरणक सन्दर्भमे हरिमोहन झाक मैथिलीक कृतिक अनुशीलन विषय पर डॉ० प्रेमशंकर सिंह आलोचनात्मक शोध-प्रबन्ध लिखलनि।

08/09/2020